सत पौल का मन परिवर्तन

कुमारी मेरी की मृत्यु

कारावाज्जियो के व्यक्तिगत जीवन चरित्र व उनकी कला में अत्याधिक विरोधाभास दिखाई देता है उग्र व आक्रामक प्रवृति के कारण सम्पूर्ण जीवन दूसरो से लड़ाई झगड़े मे बीता। कई बार जेल भी गये निर्धन अवस्था में मलेरिया से पीड़ित होकर उनकी (1610) में मृत्यु हो गयी। व असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी थे. इस प्रकार के उनके असाधारण जीवन क्रम को देखकर आश्चर्य होता है कि उन्होने इतने सुन्दर धार्मिक व लोक जीवन के श्रेष्ठतम चित्रों को कैसे बनाया। उनके चरित्र के विभिन्न पक्षों को व्यक्त करते अनेक चित्रो का उन्होंने सृजन किया। जिनसे उनके स्वभाव की कोमलता, कठोरता, सहानुभूति, घृणा, सच्ची धर्म निष्ठा का परिचय भी होता है

कला की विशेषताएँ – कारावाज्जियो की कला में उनके स्वभाव के अन्तर्गत परस्पर विरोधी तत्वों के कारण उनकी कला में भी दर्शक नाटकीय अतिशयोक्ति का अनुभव करते है।

घनत्वांकन व आंशिक यथार्थ दर्शन उनकी शैली की मूल विशेषताएं रही है। घनत्वांकन व ~~यथार्थ दर्शन~~ आदर्शवाद की उपेक्षा अलंकृत यथार्थ एवं ~~उनकी~~ के तत्व उनके आरम्भिक चित्र '**सन्त मैथ्यू की अन्तःप्रेरणा**' में स्पष्ट दिखाई देते है।

continued ....

Scanned with CamScanner

इस चित्र में सन्त मैथ्यू को एक गठीले शरीर के किसान के समान चित्रित किया है व किताब पर रखे हुए उनके हाथ का पीछे से देवदूत संचालन कर रहे है

कारावाज्जियो प्रायः विषय वस्तुओं को ऐसे धरातल पर चित्रित करता था जो जमीन के समानान्तर हो जिससे दर्शक को दृश्य समीप के धरातल पर घटित हो रहा हो जैसा यथालक्ष्य दिखाई देता है। 'ईसा सत्रहवीं सदी में बहुत लोकप्रिय हुए उनके चित्र 'ईसा का दफन' में उन्होंने इसी तरह के दृष्टिकोण को अपनाया है। आकाश को चित्रों में उन्होंने महत्व नहीं दिया चित्रों की पृष्ठभूमि में प्राय प्राकृतिक दृश्यों का अभाव रहा है। उन्होंने पृष्ठभूमि में भवनों का चित्रण किया है जिससे उनके चित्रों में विशेष गहराई नजर आती है।

घनत्व के अंकन का जो क्रान्तिकारी प्रयोग आरम्भ किया जिसके कारण वे विशेष प्रसिद्ध हुए उनका चित्र 'सन्त मैथ्यू को आवाहन' इसका विशेष उदाहरण है नैसर्गिक प्रकाश से चित्र में नाटकीय प्रकाश ~~का प्रभाव~~ का प्रभाव है। ये सब प्रयोग पूर्णतया भिन्न आलौकिक आभायुक्त है। यद्यपि चित्रण अग्रभूमि में विषय वस्तु का संयोजन, पृष्ठभूमि में गहराई का अभाव, नाटकीय प्रकाश का प्रभाव, धरातल के समानान्तर समतल पर दृश्य की योजना, विषय को अधिक मानवता पूर्ण बनाने व ~~दृश्य~~ दर्शकों की दृश्य के प्रति आत्मीयता जाग्रत कराने के उद्देश्यो से किये गये थे व इसमें

continued..

Scanned with CamScan